CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-223
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जिंदगी में जिसने समय को मान लिया, उसने अपने आप को जान लिया!

बिहार सिटी चीफ

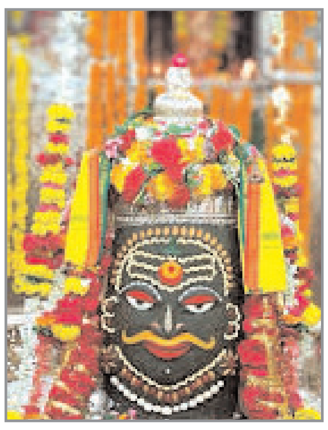

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, सोमवार, 18 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

अधिकारियों को शराबबंदी पसंद है

उनके लिए इसका मतलब है मोटी कमाईः पटना हाई कोर्ट

पटना. पटना हाई कोर्ट ने शराबबंदी कानून को लागू करने में लापरवाही बरतने पर एक पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ जारी किए गए पदावनत (डिमोशन) आदेश को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि ये प्रावधान पुलिस के लिए उपयोगी हो गए हैं, जो तस्करों के साथ मिलकर काम करती है। जस्टिस पूर्णेंदु सिंह ने 29 अक्टूबर को दिए अपने एक फैसले में कहा, न केवल पुलिस अधिकारी, आबकारी अधिकारी, बल्कि वाणियिक कर विभाग और परिवहन विभाग के अधिकारी भी शराबबंदी पसंद करते हैं। उनके लिए इसका मतलब है मोटी कमाई। दरअसल, शराबबंदी ने शराब और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के अनधिकृत व्यापार को बढ़ावा दिया है। ये कठोर प्रावधान पुलिस के लिए एक सुविधाजनक उपकरण बन गये हैं जो तस्करों के साथ मिलकर काम करती है।

शराब बरामद होने के बाद *SHO* को किया था सस्पेंड

यह आदेश मुकेश कुमार पासवान द्वारा दायर की गई एक रिट याचिका के जवाब में आया, जो पटना बाईपास थाने में थानाध्यक्ष (स।ह्) के रूप में कार्यरत थे। राय के आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा छापेमारी के दौरान विदेशी शराब बरामद होने के बाद पासवान को सस्पेंड कर दिया गया था। जांच के दौरान बचाव प्रस्तुत करने और अपनी बेगुनाही का दावा करने के बाद भी 24 नवंबर, 2020 को राय सरकार ने पासवान को पदावनत

किया गया था। बिहार में अप्रैल 2016 में नीतीश कुमार सरकार ने शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया था। कोर्ट ने कहा, शराब की तस्करी में शामिल सरगनाओं या सिंडिकेट संचालकों के खिलाफ बहुत कम मामले दर्ज किए जाते हैं, जबकि शराब पीने वाले या शराब की त्रासदी के शिकार होने वाले गरीबों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए जाते हैं। मोटे तौर पर, यह राय के गरीब लोग हैं जो इस अधिनियम का खामियाजा भुगत रहे हैं।''

हाई कोर्ट ने और क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुछेद 47 में जीवन स्तर को ऊपर उठाने और व्यापक रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए राय का कर्तव्य निर्धारित किया गया है और इस तरह राय सरकार ने उक्त उद्देश्य के साथ बिहार मद्य निषेध और उत्पाद शुल्क अधिनियम, 2016 लागू किया, लेकिन कई कारणों से, इतिहास के गलत पक्ष में यह (कानून) खुद को पाता है। कोर्ट ने कहा कि जो लोग इस अधिनियम का प्रकोप झेल रहे हैं, वे दिहाड़ी मजदूर हैं जो अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं।

कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी अभियोजन मामले में लगाए गए आरोपों की किसी भी कानूनी दस्तावेज से पुष्टि नहीं करते हैं और ऐसी कमियां छोड़ दी जाती हैं जिससे माफिया सबूतों के अभाव में छूट जाते हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि विभागीय कार्यवाही औपचारिकता मात्र रह गई है। कोर्ट ने सजा के आदेश को रद्द करने के साथ याचिकाकर्ता के खिलाफ शुरू की गई विभागीय कार्यवाही को भी रद्द कर दिया।

सीएम नीतीश के गृह जिले में पति-पत्नी के अधजले शव मिलने से हड़कंप

बेटे ने कहा- नाली से खून बहते भी देखा...

पटना. सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सोमवार सुबह पति-पत्नी के अधजले शव मिलने से हड़कंप मच गया है। परिजन दोनों की हत्या आशंका जता रहे हैं। बताया जा रहा है कि छबीलापुर थाना क्षेत्र के दोगी गांव में 54 वर्षीय विजय प्रसाद और उनकी 50 वर्षीया पत्नी कांति देवी के अधजले शव मिले। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। मृतक के पुत्र विपिन कुमार के बताया कि जब वह सुबह अपने माता-पिता के घर पहुंचा, तो उसने देखा कि दरवाजा खुला था और नाली से खून बह रहा था। अंदर जाने पर उसने अपने माता-पिता को आग की लपटों में पाया।

हत्या को मामले में हादसे का रूप देने की साजिश

प्रत्यक्षदर्शी और स्थानीय निवासी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि घटनास्थल पर बिजली का तार गिरा हुआ मिला। कमरे में और उसके आस-पास खून के छींटे पाए गए हैं। जिस बिस्तर पर दंपति सो रहे थे, वहां का तकिया नीचे गिरा हुआ था।महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मृतक विजय प्रसाद रात करीब 10 बजे तक गांव के मंदिर में भजन-कीर्तन में शामिल थे। घटनास्थल के पास दस्ताने भी बरामद हुए हैं। घर की छत पर रात

का बचा हुआ भोजन अभी भी मौजूद है। इधर, स्थानीय लोगों का मानना है कि मामला संदिग्ध प्रतीत होता है।

कमरों में बिखरे खून के निशान और घटनास्थल की स्थिति से आशंका जताई जा रही है कि पहले दंपती हत्या की गई और फिर शवों को जलाकर घटना को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया। छबीलापुर थानेदार मुरली मनोहर आजाद ने बताया कि इस वारदात के बाद घटनास्थल को सील कर दिया गया है। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड की टीम बुलाया गया है। जांच जारी है और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही मामले की वास्तविक प्रकृति का पता चल पाएगा। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना के कारणों की जांच जारी है।

परिजनों ने कहा- कुछ दिनों से था परेशान

पेड़ से लटका मिला आईटीबीपी के जवान का शव...

भोजपुर. भोजपुर में आईटीबीपी के जवान का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। यह हत्या है या आत्महत्या फिलहाल स्पष्ट नही हुआ है। हालांकि पुलिस का कहना है कि रुपये के लेन-देन के बाद हुई परेशानी की वजह से युवक ने आत्महत्या कर ली। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गंगहर गांव की है। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गंगहर गांव के वार्ड संख्या 10 निवासी इंद्र कुमार राम के पुत्र गौतम कुमार (25) के रूप में की गई है। वह आइटीबीपी में कर्नाटक के बेलगाम में पदस्थापित था। मृतक जवान के पिता इंद्र कुमार राम ने बताया कि वह दिल्ली में स्थित निजी अस्पताल में वार्ड बॉय का काम करते हैं। आठ नवंबर को गौतम ने उनको फोन कर कहा कि मुझे बहुत जरूरी काम है आप मेरे खाते पर चौबीस हजार रुपये भेज दीजिए। जब उन्होंने पूछा कि आखिर क्या काम है तो उसने कुछ नहीं बताया। सिर्फ इतना कहा कि बहुत अर्जेंट है भेज दो मुझे जमा करना है। इसके अलावा उसने कई रिश्तेदारों से भी उस दिन

फोन कर सभी लोगों से पैसा मंगवाया था। लगभग उसने लाख रुपए तक पिता सहित अन्य रिश्तेदारों से फोन कर मंगवाये थे। इसके बाद नौ नवंबर को उन्होंने वहां के किसी मुकेश नामक व्यक्ति के खाते पर चौबीस हजार रुपए उसे भेज दिया था। इसके बाद उनकी अपनी बेटे से 11 नवंबर को आखिरी बार बात हुई थी। उसके बाद उनसे एवं घर के किसी भी सदस्य से कोई बात नहीं हुई और उसी दिन से उसका मोबाइल बंद बताने लगा। 11 नवंबर को अचानक उनके चाचा का देहांत हो गया था, जिसके कारण वह उसी दिन दिल्ली से ट्रेन पर सवार होकर वापस गांव चले आए। इसी बीच रविवार की सुबह जब गांव की महिला बधार की ओर जा रही थी, तब उनलोगों ने बधार में बबूल के पेड़ से उसका शव लटका देखा। घटना के बाद उन्होंने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन फौरन वहां पहुंचे। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना की पुलिस वहां पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

पुष्पा 2ः द रूल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बेकाबू हुई भीड़

बैरिकेड तोड़ वॉच टावर पर चढ़े लोग पुलिस ने किया लाठीचार्ज

पटना. पटना के गांधी मैदान में फिल्म पुष्पा 2ः द रूलके ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की एक झलक पाने के लिए लोगों में होड़ मच गई। भीड़ को बेकाबू होते देख पुलिस ने हालात को संभालने की कोशिश की लेकिन भीड़ नियंत्रण से बाहर होते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

अतिरिक्त पुलिस फोर्स को बुलाना पड़ा

गांधी मैदान में हालात इतने खराब हो गए कि पुलिस के कई बैरिकेड टूट गए। कुछ लोग वॉच टावर पर चढ़ गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस फोर्स को बुलाना पड़ा।

पटना के गांधी मैदान में पुष्पा 2ः द रूल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट की टाइमिंग शाम 6.30 बजे रखी गई थी। लेकिन कार्यक्रम शाम 5 बजे

से ही शुरू हो गया। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के गांधी मैदान पहुंचते ही भीड़ बेकाबू होने लगी। लोग उनके पीछे भागने लगे। इस इवेंट में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के अलावा इस फिल्म के अन्य कलाकार भी शामिल हुए।

5 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म पुष्पा 2ः द रूल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के लिए गांधी मैदान में भारी सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। यहां तक कि पटना के डीएम और एसएसपी भी गांधी मैदान में मौजूद थे। लेकिन भीड़ इस कदर उमड़ेगी इसका अंदाजा शायद प्रशासन को भी नहीं था। बता दें कि यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में आने वाली है।

तिरहुत स्नातक उपचुनाव के निर्दलीय प्रत्याशी का हार्ट अटैक से निधन

बिहार. भाजपा के जुझारू कार्यकर्ता और वर्तमान में तिरहुत स्नातक विधान परिषद उपचुनाव के प्रतियाशी राजेश रौशन की हार्ट अटैक से रविवार की सुबह निधन हो गया। घर में नहाने के बाद पूजा-पाठ के दौरान उन्हें अचानक हार्ट अटैक आया, परिजन तुरंत उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। राजेश रौशन ने 15 नवंबर को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया था। वे विधान परिषद का चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन पार्टी और गठबंधन की तरफ से उन्हें मौका नहीं दिया गया।

राजेश के निधन से भाजपा समेत कई सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने गहरी शोक संवेदना जताई है। लोगों ने बताया कि सुबह पूजा के बाद वे सकरा जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी अचानक बेहोश होकर गिर पड़े और उठ नहीं पाए। बता दें कि सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद

ठाकुर तिरहुत स्नातक क्षेत्र के एमएलसी थे उनके लोकसभा चुनाव लड़ने के कारण यह सीट खाली हो गई थी और इस सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं।

नहीं टलेगा चुनाव, क्या कहते हैं नियम

चूंकि, अभी नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है, ऐसे में चुनाव स्थगित किए जाने का कोई प्रावधान नही है। 18 नवंबर तक नामांकन की प्रक्रिया चलेगी। 21 नवंबर नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख है। 5 दिसंबर को वोटिंग और 9 दिसंबर को मतगणना होगी।

एनडीए ने इस सीट पर जदयू के प्रवक्ता अभिषेक कुमार झा को उतारा है। दूसरी ओर महागठबंध ने राजद के गोपी किशन को मौका दिया है। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज भी मैदान में है। पीके ने इस क्षेत्र से डॉक्टर विनायक गौतम को उतारा है। विनायक गौतम के पिता राम कुमार सिंह तिरहुत स्नातक से तीन बार एमएलसी रहे। उन्हीं को हराकर देवेश चंद्र ठाकुर ने इस सीट पर कब्जा किया था।